मूल्य 1 रु.
वर्षः 13 - अंक : 260, मुंबई, गुरुवार, 7 दिसंबर, 2023 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W), Tel. : 288 99 501.

सऊदी अरब ने भारतीयों के लिए की बड़ी घोषणा

भारतीय हज यात्रियों की हज और उमरा यात्रा होगी और भी सुविधाजनक

महिलाओं को मिलेगा लाभ

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मक्का की यात्रा करने वाले भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए सऊदी अरब अधिक सुविधाएं प्रदान कर रही है। सऊदी के हज और उमरा मंत्री तौफिग बिन फौजान अल-रबिया ने बुधवार को बताया कि ये पहल विशेष रूप से भारतीय तीर्थयात्रियों के यात्रा को और आरामदायक बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। इससे विशेष रूप से स्वतंत्र उमरा यात्राओं पर जाने वाली महिलाओं को लाभ होगा। उमरा वीजा को 90 दिनों तक बढ़ाने के साथ-सात 4 दिन के ट्रांजिट वीजा को भी शुरू किया जा रहा है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

लैंगिक समानता को बढ़ावा देना

अल-रबिया ने कहा, लैंगिक समानता को बढ़ावा देकर इसका उद्देश्य सभी यात्रियों के लिए अधिक पूर्ण और सुरक्षित तीर्थयात्रा अनुभव सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि हज और उमरा मंत्री के रूप में भारत की मेरी पहली आधिकारिक यात्रा उमरा कलाकारों और आगंतुकों की सेवा के लिए सऊदी अरब की अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने के हमारे चल रहे प्रयासों में महत्वपूर्ण है। बता दें कि भारत के दौरे पर आए अल-रबिया ने मंगलवार को केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति ईरानी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से बातचीत की।

शोकसभा का आयोजन

सुंदरी ठाकुर

साथियों आप सभी को बहुत दुख के साथ सूचित किया जा रहा है कि हमारे राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष श्री सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की जयपुर में मंगलवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई। जिन्होंने सदा ही सनातन धर्म व राष्ट्रीयता के हित में आवाज उठाई। दिनांक 7/12/23, शाम 5 बजे, दादाभाई नौरोजी गार्डन सात बांग्ला अपोजिट डब्ल्यूटीएफ होटल वर्सोवा अंधेरी वेस्ट में शोक सभा आयोजित की गई है जिसने कैंडल मार्च किया जाएगा। आपसबों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु निवेदन करती हूँ।

निवेदक : सुंदरी ठाकुर (राष्ट्रीय अध्यक्षा करनी सेना)

मुंबई में साइबर क्राइम के मामलों में 64 फीसदी की बढ़ोतरी

चोरी में मायानगरी दूसरे नंबर पर!

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बढ़ते अपराध के ग्राफ से चिंता बढ़ गई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट्स में चौंका देने वाली जानकारी सामने आई है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, मुंबई में साइबर क्राइम, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों में बढ़ोतरी हो रही है। शहर में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे है। 2020 में 4,583 मामलों से बढ़कर 2021 में 5,543 और 2022 में 6,176 हो गई।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

सालभर में नाबालिगों ने किये इतने अपराध!

एनसीआरबी डेटा रिपोर्ट से पता चलता है कि किशोरों द्वारा किए गए अपराध घटे है। 2021 में 4,554 मामले किशोरों से जुड़े सामने आये थे, जिसमें 3 फीसदी की मामूली गिरावट आई और 2022 में 4,406 अपराध दर्ज हुए। उत्तर प्रदेश और बिहार के बाद महाराष्ट्र में किशोरों द्वारा सबसे ज्यादा अपराध किया जा रहा है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

हादसों से सबक

कोई भी हादसा, जिसमें किसी की जान जाती है, मानवता और उसकी ताकत-तरक्की पर प्रश्नचिह्न लगा जाता है। गुजरात के मोरबी शहर में केबल पुल टूटने की वजह से 140 से ज्यादा लोगों का काल के गाल में समा जाना पूरे देश को झकझोर गया है। उधर, दक्षिण कोरिया में हैलोवीन उत्सव पर एक संकरी गली में मची भगदड़ ने 150 से ज्यादा लोगों को अपना ग्रास बना लिया है। अब यह अफसोस ही है कि दुनिया में ऐसे हादसों से हम बच सकते थे। जब हम पड़ताल करेंगे, तो कदम-कदम पर लापरवाही की उतरती सीढ़ियां नजर आएंगी। यह निस्संदेह गहरी संवेदना जताने का समय है, जिन लोगों ने अपने परिजन खोए हैं, उनके साथ हर तरह से खड़े होने का समय है। हम गौर करें, तो पाएंगे कि कदम-कदम पर लापरवाहियों ने ऐसा जाल बुना कि मानवता लहूलुहान हो गई। अब यह हादसा भुलाए न भूलेगा। यह जानकर आश्चर्य होता है कि 142 साल से भी ज्यादा पुराने इस पुल के जीर्णोद्धार का काम घड़ी बनाने वाली एक कंपनी को दिया गया था। क्या ऐसे केबल पुलों का जीर्णोद्धार करने वाली विशेषज्ञ कंपनियां अपने देश में नहीं हैं, अगर अपने देश में किसी कंपनी के पास फुरसत न थी, तो किसी विशेषज्ञ विदेशी कंपनी को भी यह काम दिया जा सकता था। अपनी पसंद के आधार पर किसी भी कंपनी को ठेका देने का इधर जो चलन प्रभावी हुआ है, वह कितना घातक हो सकता है, मोरबी केबल पुल हादसा मिसाल है। अगर हम किसी भी कंपनी को किसी भी काम का ठेका देने लगे हैं, तो हम यह सुनिश्चित नहीं कर रहे हैं कि हमें विशेषज्ञ सेवाएं या सुविधाएं हासिल हों। ऐसे सवाल लंबे समय तक शासन-प्रशासन का पीछा करेंगे कि पुल बिना फिटनेस प्रमाणपत्र के कैसे खोला गया? मच्छू नदी पर बना यह केबल पुल लगभग सात महीने मरम्मत के लिए बंद रहा था। 26 अक्तूबर को गुजराती नववर्ष के मौके पर इसे फिर से खोला गया था। रविवार को पुल पर बेहिसाब भीड़ जुटी। बताते हैं कि 150 लोगों का भार सहने में सक्षम पुल पर चढ़ने के लिए पांच सौ लोगों का टिकट काट दिया गया। क्या कमाई के लोभ में पुल की वास्तविक ताकत को भुला दिया गया था? अनेक लोगों को इस हादसे के लिए गिरफ्तार किया गया है, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दोषियों के खिलाफ कोई नरमी न बरती जाए। भारतीय राजनीति में ऐसे हादसों पर भी राजनीति करने की परंपरा है, तो जाहिर है, मोरबी मामले में भी राजनीति होगी। गुजरात में सत्तारूढ़ भाजपा आज निशाने पर है, तो वह राजनीति न करने की नसीहत दूसरी पार्टियों को दे रही है।मोरबी हो या दक्षिण कोरिया हादसे के लिए शासन-प्रशासन के जो भी अपराधी-लापरवाह तत्व जिम्मेदार हैं, उन्हें अगले हादसे की गुंजाइश पैदा करने के लिए खुला नहीं छोड़ना चाहिए। कॉरपोरेट और सरकारी महकमों में एक बड़ी जमात है, जिसने लापरवाही, कोताही को अपना बुनियादी स्वभाव बना लिया है। निस्संदेह तब मानवता रो रही होगी, जब दक्षिण कोरिया में महज चार मीटर चौड़ी गली में एक लाख से ज्यादा लोग घुस गए और भगदड़ मच गई। जिस हिसाब से दुनिया में आबादी बढ़ रही है, जिस मात्रा में भीड़ जुट रही है, हर जगह सतर्क रहने की जरूरत है। अब समय आ गया है कि सजग लोग किसी भी भीड़ का हिस्सा होने से बचें और अपने आसपास किसी भी हादसे की आशंका के विरुद्ध पुरजोर खड़े हो जाएं। लोगों की सजगता से ही शायद सरकारों की नींद खुलेगी।

वर्दी बदल रहे, पुलिस नहीं सुधार रहे!

जो अपराधी को पकड़ा है, वही जांच करता है और वही मुकदमों की सुनवाई में जाता है। इसको बदलने की जरूरत है। यह बदलाव तभी होगा, जब पुलिस में नई बहाली होगी और उनका बेहतर प्रशिक्षण होगा। इसके बाद उनके लिए आधुनिक हथियारों और उपकरणों की जरूरत है। आज अपराध का तरीका बदल गया है। अपराधी तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्हें रोकने के लिए पुलिस को भी तकनीकी रूप से उतना ही दक्ष और सक्षम होना होगा।

केंद्रीय गृह मंत्रालय की पहल पर देश के सभी राज्यों के गृह मंत्रियों का एक ह्यचिंतन शिविरह्ण पिछले दिनों फरीदाबाद में आयोजित किया गया। दो दिन के इस शिविर में देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर काफी अच्छी और गंभीर चर्चा हुई। इसमें कई विपक्षी राज्यों के गृह मंत्री शामिल नहीं हुए थे और इसका मुख्य कारण यह था कि ज्यादातर विपक्षी पार्टियों के शासन वाले राज्यों में मुख्यमंत्री खुद ही गृह मंत्री हैं। इसलिए वे नहीं आए लेकिन उनके राज्य का भी प्रतिनिधित्व इसमें रहा। सभी राज्यों ने अपनी अपनी पुलिसिंग की व्यवस्था के बारे में बताया और उसकी सीमाओं, कमियों और जरूरतों पर भी चर्चा हुई। इन तमाम बातों के बीच सबसे ज्यादा ध्यान जिस बात की ओर से गया, वह था प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समापन भाषण। उसमें भी सबसे ज्यादा चर्चा इस बात पर हुई कि प्रधानमंत्री ने 'वन नेशन, वन यूनिफॉर्म' यानी 'एक देश, एक वर्दी' का सुझाव दिया।

कई दिनों तक इस बात की चर्चा होती रही। अनेक अखबारों में अलग अलग राज्यों में पुलिसकर्मियों की वर्दियों की तस्वीर छपी और तुलना करते हुए उनमें एकरूपता लाने की बात कही गई। हालांकि प्रधानमंत्री ने इसे एक सुझाव के तौर पर पेश किया। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था का मसला संविधान के मुताबिक राज्य सूची का है फिर भी पुलिसिंग व्यापक रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ मामला है। उन्होंने यह भी कहा कि इसमें पांच, 10 या सौ साल भी लग सकते हैं, लेकिन यह होना चाहिए। इस बयान का नतीजा यह हुआ कि पक्ष और विपक्ष में सारी चर्चा इसी पर होती रही। विपक्षी पार्टियों के साथ साथ सुरक्षा मामलों के जानकारों ने भी इस पर सवाल उठाए और कहा गया कि यह संघवाद की भावना के विपरीत है। यह भी कहा गया कि प्रधानमंत्री ने एक चलन बना दिया है। वे 'वन नेशन, वन एवरीथिंग' की बात करते हैं और यह संघीय भावना के खिलाफ है। कायदे से चर्चा इस बात पर होनी चाहिए थी कि किस तरह सभी राज्यों की पुलिस में तालमेल बने, किस तरह से राज्यों की पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों में समन्वय बने और पुलिस सुधारों को कैसे लागू किया जाए, लेकिन इसकी बजाय चर्चा वर्दी पर होने लगी। यह दुर्भाग्य है कि भारत में हर गंभीर चर्चा ऐसी ही किसी हलकी या सतही बात की तरफ मुड़ जाती है। प्रधानमंत्री ने खुद कहा कि सभी सुरक्षा बलों के बीच तालमेल होना चाहिए ताकि सूचना का आदान प्रदान आसान हो, जिससे अपराध कम किया जाए और अपराधियों को जल्दी सजा दिलाई जा सके। लेकिन इस पर चर्चा नहीं हुई। आजकल अंतरराज्यीय अपराध बहुत बढ़ गए हैं। इसके साथ ही साइबर क्राइम में भी बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। साइबर अपराध का दायरा भी कई राज्यों में फैला होता है। जैसे झारखंड के जामताड़ा में बैठे साइबर ठग देश के हर हिस्से और यहां तक कि विदेशों में भी लोगों से ठगी कर रहे हैं। इसे रोकना या इससे निपटना सिर्फ झारखंड पुलिस का काम नहीं है। देशी या विदेशी आतंकवादी या चरमपंथी संगठनों का नेटवर्क भी पूरे देश में फैला है। सो, देश भर के राज्यों की पुलिस का एक साझा तंत्र बनना चाहिए ताकि अंतरराज्यीय व साइबर अपराधों और आतंकवादी घटनाओं को रोका जाए और अपराधियों को जल्दी से जल्दी सजा दिलाई जाए।

इसके अलावा जिस बात पर सबसे गंभीरता से बात होनी चाहिए थी वह पुलिस सुधारों की थी। प्रधानमंत्री ने भी इसके बारे में बात नहीं की। उन्होंने जिस अंदाज में 'एक देश, एक वर्दी' की बात की उसी अंदाज में सभी राज्यों से कहना चाहिए था कि वे अपने यहां पुलिस सुधारों को लागू करें। पुलिस सुधारों को लेकर 16 साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया था। सितंबर 2006 में सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को पुलिस सुधार लागू करने का आदेश दिया था। इस आदेश में सर्वोच्च अदालत की ओर से कुछ स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। दुर्भाग्य से देश के किसी भी राज्य ने इन निर्देशों को लागू नहीं किया है। देश भर के गृह मंत्रियों के चिंतन शिविर में सुप्रीम कोर्ट के इन निर्देशों पर चर्चा होनी चाहिए थी और इन्हें लागू करने की एक समय सीमा तय की जानी चाहिए थी। इससे पुलिस की छवि भी सुधरेगी, जिसका जिक्र प्रधानमंत्री ने किया और उसके कामकाज की गुणवत्ता में भी सुधार होती। पुलिस के राजनीतिक आकाओं के हथियार की तरह इस्तेमाल होने के आरोप भी समाप्त होते।

सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रदेश सुरक्षा आयोग बनाने का सुझाव दिया था, जिसमें राज्य के मुख्यमंत्री या गृह मंत्री इसके अध्यक्ष हों। उनके अलावा नेता विपक्ष, हाई कोर्ट के एक रिटायर जज और कुछ महत्वपूर्ण अराजनीतिक लोगों को इसका सदस्य बनाया जाए। यह आयोग पुलिस के कामकाज पर नजर रखे और यह सुनिश्चित करे कि पुलिस सत्तारूढ़ दल के हिसाब से काम नहीं कर रही है। किसी भी राज्य में ऐसा आयोग नहीं बना है। सुप्रीम कोर्ट ने एक पुलिस इस्टैबलिशमेंट बोर्ड बनाने का निर्देश दिया था, जिसमें राज्य के पुलिस महानिदेशक और चार वरिष्ठ पुलिस अधिकारी हों और डीएसपी रैंक के अधिकारियों का तबदला और पदस्थापना यह बोर्ड करे। इसी तरह अदालत ने पुलिस की शिकायत सुनने के लिए एक बोर्ड बनाने का सुझाव भी दिया था, जिसमें प्रदेश और जिला स्तर पर रिटायर जज अध्यक्ष हों। यह बोर्ड हिरासत में मौत या बलात्कार जैसी घटनाओं की शिकायत सुने और जांच करे। इसके अलावा अदालत ने मेरिट के आधार पर राज्य के पुलिस प्रमुख की नियुक्ति का सिस्टम बनाने को भी कहा था।

असल में पुलिस सुधार और पुलिस का प्रशिक्षण इस समय की सबसे बड़ी जरूरत है। पुलिस सरकार और समाज के बीच इंटरफेस की तरह काम करती है। इसलिए लोगों के मन में उसकी छवि बहुत अच्छी होनी चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि आम नागरिक खाकी वर्दी देख कर डरे, जैसा अभी भारत में होता है। लोग पुलिस को अपना दोस्त मानें, यह पहली जरूरत है। यह भी ध्यान रखने की बात है कि अपराध की वस्तुनिष्ठ तरीके से छानबीन, आरोपी से पूछताछ, फॉरेंसिक जांच आदि जो चीजें हैं, वो वैज्ञानिक प्रशिक्षण की चीज है। लेकिन भारत में इसकी जरूरत नहीं समझी जाती है। दुनिया भर के विकसित देशों में पुलिस को कई हिस्सों में बांटा गया है। कानून व्यवस्था बनाने वाली पुलिस अलग है और अपराध की छानबीन करने वाली पुलिस अलग है। इतना ही नहीं अदालत के मामले देखने वाली पुलिस अलग है। यानी लॉ एंड ऑर्डर, इन्वेस्टिगेशन और प्रॉसीक्यूशन के लिए अलग अलग पुलिस है। लेकिन भारत में एक ही पुलिस सारे काम करती है। जो अपराधी को पकड़ा है, वही जांच करता है और वही मुकदमों की सुनवाई में जाता है। इसको बदलने की जरूरत है। यह बदलाव तभी होगा, जब पुलिस में नई बहाली होगी और उनका बेहतर प्रशिक्षण होगा। इसके बाद उनके लिए आधुनिक हथियारों और उपकरणों की जरूरत है। आज अपराध का तरीका बदल गया है। अपराधी तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्हें रोकने के लिए पुलिस को भी तकनीकी रूप से उतना ही दक्ष और सक्षम होना होगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

ठाकरे की शिवसेना के रोहिदास मुंडे ने परिवहन विभाग और मनपा प्रशासन से की मांग

पहले दिवा में नागरिकों को पार्किंग की सुविधा प्रदान करें उसके बाद वहान को उठाएं

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

दिवा। दिवा शहर में मनपा प्रशासन व पुलिस प्रशासन द्वारा पार्किंग की व्यवस्था नहीं की गई है, बल्कि सड़क पर ठेले-खोमचे वाले खड़े कर दिए गए हैं। दूसरी ओर ठाकरे की शिवसेना के दिवा शहर आयोजक रोहिदास मुंडे ने दिवा में पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग करते हुए कहा है कि नागरिकों में गुस्सा है क्योंकि सड़क किनारे अपने वाहन पार्क करने वाले नागरिकों की कारें उठाई जा रही हैं। पुलिस द्वारा दिवा शहर में किसी भी सड़क पर मनपा प्रशासन या यातायात पुलिस के माध्यम से कोई पार्किंग सुविधा उपलब्ध नहीं

है। दरअसल, सड़क किनारे नागरिकों को पार्किंग की सुविधा उपलब्ध करायी जानी चाहिए. लेकिन दिवा में सड़क के दोनों ओर रेहड़ियां लगा दी गई हैं और रोड टैक्स देने वाले नागरिकों के पास अपने वाहन पार्क करने के लिए कोई जगह नहीं है। यदि यात्री अपने वाहन पार्क करते हैं तो उन्हें उठा लिया जाता है। दिवा में या तो आप पार्किंग नहीं देते और सड़कों पर रेहड़ियां लगाते हैं तो आम नागरिक अपनी गाड़ियां कहां पार्क करें? ये सवाल रोहिदास मुंडे ने पूछा है। मुंडे ने मांग की है कि मनपा और पुलिस प्रशासन को जल्द से जल्द दिवा में पार्किंग की सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए।

शाहिद बाबरी मस्जिद दिवस को लेकर एमआईएम पार्टी द्वारा दी गई अजान और कराई गई कुरान खानी

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा। हर्ष वर्ष की तरह इस वर्ष भी शाहिद की गई बाबरी मस्जिद को काला दिवस के तौर पर याद किया जाता है आपको बताते चले 6 दिसंबर बुधवार को शाहिद बाबरी मस्जिद को काला दिवस के तौर पर याद किया गया इस अवसर पर एमआईएम पार्टी के कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष सैफ पठान द्वारा अपने कार्यालय पर अपने समस्त कार्यकर्ता और पदाधिकारी और परिसर

के रहवासियों के साथ में मिलकर मौलाना को बुलाकर अजान दी गई और कुरान खानी कराकर दुआ की गई सैफ पठान ने बताया हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मेरे कार्यालय पर शाहिद बाबरी मस्जिद को लेकर अजान और कुरान खानी का इंतजाम किया गया और अल्लाह से हिंदुस्तान में अमन और शांति कायम रहे इसके लिए दुआ की गई इस अवसर पर कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष सैफ पठान, समेत तमाम कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

ठाणे मनपा प्रशासन द्वारा किया गया भारत रत्न डॉ भीमराव बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

ठाणे। मनपा प्रशासन की ओर से भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर श्री. भारत रत्न डॉ. नरेंद्र बल्लाल सभागार। बाबा साहेब अम्बेडकर की छवि पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मनपा के अतिरिक्त आयुक्त (1) संदीप मालवी, अपर आयुक्त (2) प्रशांत रोडे, उपायुक्त गजानन गोदेपुरे, उपायुक्त तुषार पवार, उपायुक्त उमेश बिरारी के साथ ही मनपा के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे इसके अलावा कोर्ट नाका और ठाणे रेलवे स्टेशन पर भारत रत्न डॉ. अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे, उपायुक्त उमेश बिरारी ने बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की. इस अवसर पर नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित थे।

डॉ भीमराव अंबेडकर जी के पोते का मुंब्रा में किया गया फूल बरसाकर स्वागत

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा। भारतीय संविधान के निमार्ते भारतरत्न डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर जी के पोते सर सेनानी आदरणीय आनंदराज अंबेडकर साहेब जी के नेतृत्व में निकाली गई संविधान यात्रा कलवा नाका छत्रपती शिवाजी महाराज जी के पुतले के पास पहुंचे वहा पर बौद्ध समाज के नेता प्रवीण पवार और उनके साथियों ने जेसीपी से फुल बरसाकर स्वागत किया और मुंब्रा से बाईक रॅली निकाल कर संविधान बचाव यात्रा का और आनंदराज अंबेडकर साहब जी का भव्य स्वागत किया इस अवसर पर विक्रम खरे साहेब हनुमंत जगताप राजू दोंदे प्रणय घोरपडे अरविंद चिपळूणकर संजय गवळी गौतम हटकर राहुल शिंदे अजित गायकवाड मंदार दसुरे नितेश गायकवाड राजदीप जगताप विजय गजघाटे संजय बोरकर आंबेडकरी अनुयायी मौजूद थे।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

सऊदी अरब ने भारतीयों के लिए की बड़ी घोषणा

जानकारी के लिए बता दें कि दुनिया भर से लाखों मुसलमान हज के साथ-साथ इस्लामी तीर्थयात्रा उमरा करने के लिए हर साल मक्का जाते हैं। तीर्थयात्रियों के अनुभवों को बढ़ाने के लिए शुरू की गई प्रभावशाली पहल के मद्देनजर निकट भविष्य में भारतीय उमरा तीर्थयात्रियों की संख्या में वृद्धि कर सकती है। मंत्री ने भारत-सऊदी अरब संबंधों में सुधार के बारे में भी बात की। बता दें कि अल-रबिया ने कहा कि 2024 में हज सीजन के लिए भारत को 1,75,025 तीर्थयात्रियों का अनुमानित कोटा आवंटित किया गया है।

मुंबई में साइबर क्राइम के मामलों में 64 फीसदी की बढ़ोतरी

हालांकि दिल्ली पहले स्थान पर रही, जहां पिछले साल महिलाओं के खिलाफ 14,158 अपराध दर्ज किए गए। मुंबई में आईपीसी की धारा-354 के तहत छेड़छाड़ के 1,859 मामले दर्ज किए गए। 2022 के नवीनतम अपराध आंकड़ों में दिल्ली के बाद मुंबई में देश में दूसरी सबसे अधिक चोरी (17,876 मामले) दर्ज की गई है। वहीं, मुंबई में साइबर अपराध 2021 में 2,883 मामलों से 64% बढ़कर 2022 में 4,724 हो गया। हालांकि, 2022 में पूरे मुंबई में वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ अपराधों में 42% की गिरावट आई। इस तरह के 2021 में 987 मामले दर्ज हुए थे, जो पिछले साल 572 हो गए। हालांकि, 19 महानगरीय शहरों में बुजुर्गों के खिलाफ अपराधों के मामले में मुंबई अभी भी दिल्ली के बाद दूसरे स्थान पर है। पूरे महाराष्ट्र की बात करें तो राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध में 15 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। 2021 में 39,526 मामले से बढ़कर 2022 में 49,331 मामले हो गए। बच्चों के खिलाफ अपराध 2021 में 17,261 मामलों से 20% बढ़कर 2022 में 20,762 मामले हो गए। वहीं, महाराष्ट्र में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों में 13% का इजाफा हुआ है। तेज रफ्तार वाहन चलाने की वजह से अधिकांश दुर्घटनाये हुई है। सड़क पर होने वाली मौतों के मामले में महाराष्ट्र देश में दूसरे नंबर पर है।

महाराष्ट्रः शीतकालीन सत्र में शिंदे सरकार को घेरने की तैयारी, ठाकरे गुट का प्लान तैयार

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र गुरुवार (7 दिसंबर) से नागपुर में शुरू हो रहा है। आम चुनाव और आगामी अन्य चुनावों को ध्यान में रखते हुए एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली सरकार बड़ी घोषणाएं कर सकती है। इस सत्र के हंगामेदार रहने के आसार हैं। मराठा और धनगर आरक्षण के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने होंगे। सत्र में शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट ने राज्य सरकार को घेरने की पूरी तैयारी की है। खबर है कि शीतकालीन सत्र के लिए शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी के सभी विधायकों को खास निर्देश दिए हैं। शीतकालीन सत्र में आदित्य ठाकरे हर दिन उपस्थित रहेंगे और सरकार से तीखे सवाल करेंगे। वहीं, उद्धव ठाकरे 11 या 12 दिसंबर को खुद सदन में मौजूद रह सकते है। जबकि कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार) ने भी सरकार को घेरने की रणनीति बनायीं है। शीतकालीन सत्र में किसानों के मुद्दों को प्राथमिकता से उठाया जाएगा। राज्य में बेमौसम बारिश के कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ है।

इसलिए विपक्ष विधानसभा और विधानसभा के बाहर इस मुद्दे को जोरशोर से उठाकर सरकार पर दबाव बनाएगा। राज्य में किसानों के फसल बीमा को लेकर विपक्षी विधायक सीधे सरकार से सवाल पूछेंगे। उद्धव गुट के मुंबई के विधायक धारावी पुनर्विकास परियोजना का पुरजोर विरोध करने की तैयारी में है। इसके अलावा ड्रग माफिया ललित पाटिल मामले पर सरकार से जवाब मांगा जाएगा। उधर, शरद पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने नागपुर में राज्य विधानसभा में पार्टी कार्यालय पर दावा ठोका है।

श्री. रमाकांत गुप्ता भाजपा मुंबई महासचिव मुंबई उत्तरभारती मोर्चा द्वारा समनचिन्ह से सम्मनित किया गया। हमारे समाज कार्य को देखते हुए सौ.शीतल.स.वालीकर आसरा चैरिटेबल ट्रस्ट राष्ट्रीय अध्यक्ष /भाजपा मुंबई उपाध्यक्ष मुंबई झोपड़ीपट्टी मोर्चा, इरशाद शेख मुंबई अध्यक्ष आसरा चैरिटेबल ट्रस्ट, सौ.पूजा सैनी मध्य मुंबई जिल्हा महिला अध्यक्ष आसरा चैरिटेबल ट्रस्ट, शबाना शाह मध्य मुंबई महिला जिल्हा उपध्याक्ष।

कांग्रेस वरिष्ठ नेत्री पर्ल चौधरी ने बाबा साहेब को दी श्रद्धांजलि

मुंबई हलचल/सुरेश कोहली

पटौदी। बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर के 67 वे महापरिनिर्वाण दिवस पर सेक्टर 4, अंबेडकर भवन, गुड़गांव के पवित्र प्रांगण में समाज के दर्जनों युवाओं सहित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कांग्रेस वरिष्ठ नेत्री पर्ल चौधरी ने कहा कि बाबा साहेब ने गरीब,दलित,आदिवासी सहित सर्व समाज के लिए कार्य किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर के जीवन से हमे अवश्य प्रेरणा लेनी चाहिए साथ ही उनके बताए रास्ते पर भी चलना चाहिए।

बात दें कि युवा कांग्रेस वरिष्ठ नेत्री पर्ल चौधरी स्व. भूपेंद्र चौधरी की सुपुत्री है। स्व. भूपेंद्र चौधरी पटौदी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक भी रह चुके है। पूर्व विधायक चौधरी ने डॉ. अम्बेडकर भवन के निर्माण में अहम भूमिका भी निभाई थी। जानकारी के अनुसार युवा कांग्रेस वरिष्ठ नेत्री पर्ल चौधरी हाल ही में राजस्थान में हुए विधानसभा के चुनावों में जालौर लोकसभा क्षेत्र से बतौर लोकसभा प्रभारी भी रह चुकी है जिसके नेतृत्व में उक्त विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन कर जीत दर्ज की है। इस अवसर पर डॉ. अम्बेडकर सभा के प्रधान रतन सिंह बड़गुजर,राजबीर दहिया(पूर्व पार्षद)रणबीर सिंह,सुभाष बदलिया, शिवचरण,ओमप्रकाश इन्दल, राजेन्द्र सांभरिया,महावीर प्रसाद रंगा, डॉ. दीपक दहिया आदि लोग मौजूद रहे।

जमीनों को लेकर धोखेबाजी में अव्वल कानपुर, मेडिकल व्यवसाई पर आरोप

कानपुर। इस महानगर में जमीन के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला गिरोह सक्रिय है,जिसके द्वारा दर्जनों किसानों को भी शिकार बनाए जाने की चर्चा है। ऐसे सफेद पोश लोग पहले लाखों रुपए अग्रिम लेकर उस धन का सदुपयोग अपने हित में करते हैं और जब इरादा पूरा हो जाता है तो अधिक कीमत में मिलने के लालच में वह जमीन किसी अन्य को बेंच देते हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इनमें पैसे और ऊँची पहुंच वाले कई मेडिकल व्यवसाई भी शामिल बताए जाते हैं। भू - माफिया के रूप में भी चर्चित सफेदपोस सुरा और सुंदरी के भी प्रेमी बताए जाने वाले इन मेडिकल व्यवसायियों में से एक के अय्याश बेटे को कुछ माह पहले युवती के साथ रंगरेलियां मनाते हुए पकड़े जाने के बाद एक प्रभावशाली सिख व्यवसाई के माध्यम से लाखों रुपए देकर पुलिस के चंगुल से छुड़ाया गया था। भरोसेमंद सूत्रों की माने तो यह मेडिकल व्यवसाई एक्सपायरी दवाओं के माध्यम से भी कमाई के फलस्वरूप भी लाखों करोड़ों नामी, बेनामी , चल और अचल संपत्ति का मलिक भी बन चुका है।

प्याज, टमाटर की बढ़ती कीमतों से वेज थाली महंगी, नान-वेज थाली में राहत

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

असमान बारिश के चलते खरीफ फसलों के उत्पादन में गिरावट और त्योहारी सीजन में मांग में बढ़ोतरी की वजह से नवंबर 2023 में शाकाहारी भोजन करने वालों की थाली महंगी हुई है।

महंगे प्याज और टमाटर के कारण अक्टूबर 2023 के मुकाबले नवंबर महीने में शाकाहारी भोजन की थाली के कॉस्ट में 5 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने ये डेटा जारी किया है। नवंबर महीने के दौरान प्याज की कीमतों में 50 फीसदी और टमाटर में 35 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। क्रिसिल ने अपने रोटी राइस रेट इंडेक्स में कहा कि इन दोनों खाने पीने की चीजों के दामों में बढ़ोतरी के चलते वेज थाली की कीमत बढ़ी है। इससे पहले अगस्त 2023 में वेज थाली की कीमतों में 24 फीसदी का उछाल देखने को मिला था। घर पर बनी भोजन की थाली की औसत लागत की गणना उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत में प्रचलित कच्चे माले की कीमतों के आधार पर की जाती है।

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने जारी की नवंबर माह के लिए रिपोर्ट

दाल की कीमतों में 21 फीसदी की बढ़ोतरी

बीते साल के मुकाबले नवंबर महीने में प्याज की कीमतों में 93 फीसदी और टमाटर के भाव में 15 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। दाल की कीमतों में उछाल के चलते भी वेज थाली महंगी हुई है। नवंबर 2022 के मुकाबले इस साल नवंबर में दालों की कीमतों में 21 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

नवंबर 2022 के मुकाबले 9 फीसदी महंगी हुई वेज थाली

जून 2023 महीने के बाद से देश में टमाटर की कीमतों में जोरदार उछाल देखने को मिला था जब रिटेल मार्केट में 300 रुपए प्रति किलो तक टमाटर मिल रहा था। सितंबर से टमाटर की कीमतों में नरमी आई तो अक्टूबर से प्याज की कीमतें बढ़ने लगी। इसे चलते बीते साल नवंबर 2022 के मुकाबले नवंबर 2023 में शाकाहारी भोजन करने वालों की थाली की लागत 9 फीसदी महंगी हुई है।

चिकन की कीमतों में गिरावट

नॉन वेज भोजन करने वालों के लिए नवंबर का महीना अच्छा रहा है। चिकेन की कीमतों में गिरावट के चलते नॉन वेज थाली सस्ती हुई है। नॉन-वेज थाली में 50 फीसदी हिस्सा चिकेन का होता है। नॉन-वेज थाली में वहीं चीजें होती हैं जो वेज थाली में होती है। केवल दाल की जगह नॉन-वेज थाली में चिकेन को शामिल कर लिया जाता है।

एमपीसी की बैठक तीन दिन तक चलने वाली

मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू रेपो दर यथावत रहने की उम्मीद

मुंबई हलचल / मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन चलने वाली बैठक बुधवार को शुरू हुई। यह माना जा रहा है कि एमपीसी इस बार भी नीतिगत दर रेपो को यथावत रख सकती है। इसका प्रमुख कारण चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर का उम्मीद से अधिक होना और मुद्रास्फीति में नरमी है।

आरबीआई ने पिछली चार मौद्रिक नीति समीक्षाओं में रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया। अंतिम बार फरवरी में रेपो दर को बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया गया था। इसके साथ रूस-यूक्रेन युद्ध और उसके कारण वैश्विक आपूर्ति बाधित होने से महंगाई बढ़ने के कारण मई, 2022 से शुरू हुआ नीतिगत दर में वृद्धि का सिलसिला एक तरह से थम गया।

- पिछले चार समीक्षा बैठक में रेपो दर में बदलाव नहीं
- फरवरी में रेपो दर बढ़ाकर 6.5 फीसदी की गई
- युक्रेन युद्ध के कारण बढ़ी महंगाई से नीतिगत दर में वृद्धि थम गई

निर्णय की घोषणा आठ दिसंबर को

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास छह सदस्यीय एमपीसी के निर्णय की घोषणा आठ दिसंबर को करेंगे। एमपीसी से अपेक्षा के बारे में इक्रा की प्रमुख अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में जीडीपी आंकड़ा मौद्रिक नीति समिति के पिछले अनुमान से अधिक रहा है। हालांकि, खाद्य मुद्रास्फीति से संबद्ध विभिन्न पहलुओं को लेकर चिंता बनी हुई है।

नीतिगत दर यथावत रहेगी

दास ने कहा, 'इन सबको देखते हुए हमारा अनुमान है कि एमपीसी दिसंबर, 2023 की मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर को यथावत रख सकती है। हालांकि, मौद्रिक नीति का रुख आक्रामक हो सकता है।' डॉयचे बैंक रिसर्च के अनुसार, आरबीआई 2023-24 के लिए सकल घरेलू उत्पाद के पूर्वानुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर सकता है।

नकदी की स्थिति को सख्त बनाए रखा

दास ने कहा, 'आरबीआई संभवतः रेपो दर और रुख को अपरिवर्तित रखेगा। साथ ही नकदी की स्थिति को सख्त बनाये रख सकता है। आरबीआई यह सुनिश्चित करेगा कि अल्पकालिक दर 6.85-6.90 प्रतिशत के आसपास बनी रहे...।' विनिर्माण, खनन और सेवा क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन के साथ देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 7.6 प्रतिशत रही।

भारत ने सबसे तीव्र आर्थिक वृद्धि दर हासिल की

इसके साथ भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तीव्र आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने वाला देश बना हुआ है। एसकेए ग्रुप के निदेशक संजय शर्मा ने कहा कि कुछ समय से आरबीआई लगातार नीतिगत दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखे हुए है। यह आर्थिक परिदृश्य को लेकर आरबीआई के भरोसे को दर्शाता है।

घर खरीदारों को होगा लाभ

दास ने कहा, 'मुद्रास्फीति में नरमी को देखते हुए इस बार भी उम्मीद है कि आरबीआई रेपो दर को स्थिर रखेगा, इससे संभावित घर खरीदारों को लाभ होगा।' उल्लेखनीय है कि मुख्य रूप से खाद्य वस्तुओं के दाम कम होने से खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर में घटकर 4.87 प्रतिशत रही।

बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर का व्यक्तित्व लोकतंत्र का प्रतीक है: विजय कुमार ठाकुर

संवाददाता/सालिम आजाद

मधुबनी। अनुसूचित जाति जनजाति कर्मचारी संघ बिहार जिला इकाई मधुबनी के जिला अध्यक्ष देवनारायण राम की अध्यक्षता में बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर का 67वीं महापरिनिर्वाण दिवस समारोह अम्बेडकर भवन मधुबनी में मनाया गया। इस समारोह को सम्बोधित करते हुए जिला अध्यक्ष देवनारायण राम ने कहा कि सिम्बल ऑफ नौलेज,(ज्ञान के प्रतीक), महान अर्थशास्त्री, न्यायविद, राजनीतिज्ञ, समाज सुधारक, दलितों, वंचितों, शोषितों के महान चिंतक, भारत के प्रथम विधिमंत्री एवं न्यायमंत्री, भारतीय संविधान के जनक, भारतरत्न,बौद्धिसत्व परमपूज्य बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर ने दलितों, शोषितों, महिलाओं,तथा भारत की अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों में अनेकों कार्य करके सँविधान में अधिकार दिलाया। महिलाओं के लिए सरकारी अथवा गैर सरकारी सेवाओं में विशेषावकाश तथा संसद एवं विधानमंडल में प्रतिनिधित्व का अधिकार, भारत में रिजर्व बैंक की स्थापना कराकर देश को मजबूत बनाने के लिए महान कार्य किये। इसलिए बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर का व्यक्तित्व लोकतंत्र का प्रतीक है। आज सम्पूर्ण भारत वर्ष में बाबा साहब के प्रतिमाओं पर सभी राजनीतिक दलों के नेताओं माल्यार्पण करने में व्यस्त हैं और करोड़ों -अरबो शब्दों में बाबा साहब का स्तुतिगान कर दिखाबा करेंगे। आखिर देश की आजादी के 7दशक गुज़र जाने के बाद भी आज भी दलितों एवं महिलाओं की स्थिति चिंताजनक क्यों है? क्यों आज भी 90प्रतिशत दलित गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं? क्यों आज भी अन्य समुदाय के मुकाबले दलितों के साथ 200प्रतिशत से ज्यादा अत्याचार हो रहा है? इस पर किसी नेताजी को ध्यान नहीं केवल बाबा साहब भीमराव डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती अथवा महापरिनिर्वाण दिवस पर माल्यार्पण करके नौटंकी कर रहे हैं जो बाबा साहब के बिचारों के बिपरित है । इसलिए सभी समाज को चिन्तन करना चाहिए।

डॉ अम्बेडकर की 67 वीं पुण्य तिथि पर हुई 'संविधान बचाओ संगोष्ठी'

डीपीओ सह जिलाध्यक्ष निशित प्रणीत का संरक्षक राम लखन पासवान ने किया स्वागत

खगड़िया (बिहार)। अंबेडकर भवन निर्माण समिति, बलुआही के तत्त्वावधान में डॉ भीम राव अंबेडकर की 67 वीं पुण्य तिथि के अवसर पर संविधान बचाओ संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता राम लखन पासवान ने की। गोष्ठी का समारंभ बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण का किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए पोस्टल सोसाइटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन डॉ अरविन्द वर्मा ने कहा बाबा अंबेडकर के सपने को साकार करने के लिए हमें कृत संकल्पित होना होगा। संविधान की रक्षा के लिए मर मिटने को तैयार रहें।ज़िला कार्यक्रम पदाधिकारी, स्थापना शिक्षा विभाग, खगड़िया सह जिला अध्यक्ष एस सी, एस टी कर्मचारी संघ खगड़िया निशित प्रणीत सिंह ने माल्यार्पण किया और अपने विचार प्रकट किए। आगे उन्होंने कहा सेवा , सत्कार और सम्मान यही है संघ की पहचान। संरक्षक राम लखन पासवान ने डीपीओ सह अध्यक्ष को सम्मानित भी किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में राम लखन पासवान ने कहा भारतीय संविधान पूर्ण रूप से संविधान सभा में प्रस्तुत डॉ अम्बेडकर की संविधान के शिल्पी के रुप में प्रशंसा हुई क्योंकि अन्य सात सदस्य संविधान निर्माण कार्य में अन्य कारणों से योगदान नहीं कर सके थे। संघ के ज़िला सचिव जीवन कुमार (प्रधान लिपिक), समिति के सचिव चंद्रशेखर मंडल, संयुक्त सचिव राकेश शास्त्री, कार्यालय सचिव सुखनंदन पासवान, कोषाध्यक्ष महेश्वर राम, बटेश्वर प्रसाद, मदन प्रसाद चौरसिया ने भी अपने अपने विचार प्रकट किए।

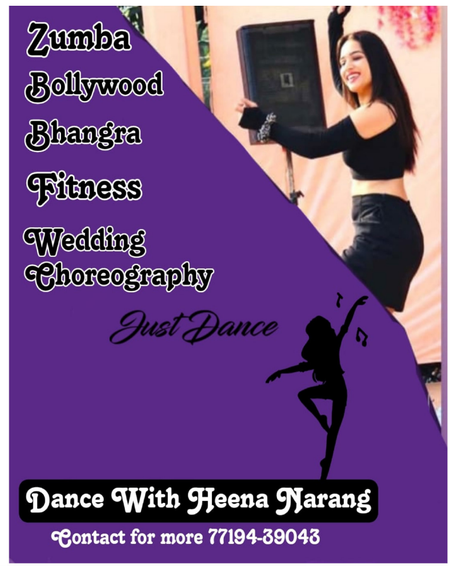

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उत्तराखंड हलचल

इन्वेस्टर समिट की तैयारियो का सीएम धामी ने एफआरआई में किया स्थलीय निरीक्षण

मीडिया सेंटर का किया उद्घाटन

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 08 और 09 दिसम्बर को एफआरआई, देहरादून में आयोजित होने वाले डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों को लेकर बुधवार को कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर की जा रही विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए बनाये गये मीडिया सेंटर का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि कार्यक्रम आयोजन की सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाए। मुख्यमंत्री ने

कहा कि सड़कों और सौन्दर्यीकरण के कार्य भी तेजी से हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह राज्य के लिए बड़ी समिट है। अभी तक ढ़ाई लाख करोड़ से अधिक के करार हो चुके हैं। करारों की ग्राउडिंग के लिए तेजी से कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश आने से स्थानीय लोगों के रोजगार में तेजी से वृद्धि होगी। राज्य में ऐसे करारों को शीर्ष प्राथमिकता दी जा रही है, जिनसे राज्य में रोजगार के अवसर बढ़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए भी राज्य सरकार निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, कार्यवाहक डीजीपी अभिनव कुमार, सचिव शैलेश बगोली, सचिव एवं गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डेय, सचिव विनोद कुमार सुमन, एडीजी ए.पी अंशुमन, जिलाधिकारी देहरादून सोनिका,महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, महानिदेशक उद्योग रोहित मीणा,एसएसपी देहरादून अजय कुमार एवं आयोजन के कार्यों में लगे अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

निवेश पर ज्ञान बांच रही कांग्रेस औधोगिक पैकेज पर हो गयी थी खामोश: चौहान

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि राज्य मे निवेश हो या आर्थिक प्रबंधन, किसी भी मामले मे कांग्रेस राज्य हितों को लेकर संवेदनशील नही रही और अब राज्य मे निवेश को लेकर ज्ञान बांट रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए चौहान ने कहा कि बेशक, हर सरकार मे औधोगिकीकरण अथवा लघु उधोगों को आगे बढ़ाने की दिशा मे प्रयास किये गए, लेकिन कांग्रेस का रिकार्ड इसमे नकारात्मक ही रहा है। आज प्रदेश मे डबल इंजन की सरकार है और राज्य को उसका लाभ मिल भी रहा है, लेकिन कांग्रेस महज विरोध करती रही है। राज्य की मदद करने के लिए आगे आने वाली केंद्र मे चाहे कोई भी सरकार हो उसका सम्मान और कृतज्ञता भाव उत्पन्न होना स्वाभाविक है, लेकिन कांग्रेस मे ऐसे संस्कारों का अभाव है। यह राज्य के लिए सुखद संयोग है कि पीएम मोदी का राज्य से विशेष लगाव है और वह हर दौरे पर राज्य को हजारों करोड़ की सौगातें देते रहे हैं। कांग्रेस कटुता का भाव रखने के कारण मोदी विरोध के भाव से हमेशा सवाल जवाब करती है जो कि

अनुचित है। हालत यह है कि जिम्मेदार विपक्ष के कोई नेता मौन उपवास कर रहे हैं तो कोई सवालों के प्रवचन कर रहे जो अनुचित है।

उन्होंने कहा कि राज्य मे जब अधौगिक नींव पड़ी तो आज अपनी उपलब्धि बता रही कांग्रेस कार्यकाल मे केंद्रनीत भाजपा सरकार ने विशेष पैकेज दिया और राज्य मे औधोगिक क्रांति आयी। लेकिन जैसे ही केंद्र मे कांग्रेस की सरकार आयी तो औधोगिक पैकेज छीन लिया गया। यही फर्क है केंद्र मे कांग्रेस अथवा भाजपा की सरकार का होना। उन्होंने कहा कि निवेश से विकास ही होगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, लेकिन कांग्रेस को इसमे भी असुरक्षा नजर आ रही है। कांग्रेस के मनगढंत आरोपों पर जनता को भरोसा नही है और इसी के चलते उसे उन राज्यों मे जनता ने आइना दिखा दिया है जहाँ पर उसने इसी तरह से दुष्प्रचार किया था। देवभूमि मे अतिथि देवों भव की परंपरा रही है और राज्य मे जिस तरह से डेढ़ लाख से अधिक की केंद्र की योजनाएं चल रही है वह मोदी के कार्यकाल तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कार्यकाल मे संभव है। कांग्रेस को नकारात्मक भाव के इतर विकास कार्यों मे सहयोगी विपक्ष की भूमिका मे आगे आना चाहिए।

उत्तराखंड के सांसदों-विधायकों के खिलाफ दर्ज केस की हाई कोर्ट ने मांगी कुंडली

नैनीताल। हाई कोर्ट ने प्रदेश के सांसदों व विधायकों पर दर्ज आपराधिक मुकदमों की त्वरित सुनवाई हेतु सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई की। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी व न्यायमूर्ति विवेक भारती शर्मा की खंडपीठ ने मामले में सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से पूछा है कि प्रदेश में सांसदों व विधायकों पर कितने आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, और कितने अभी विचाराधीन है ? इनकी जानकारी दो सप्ताह में कोर्ट को दी जाए। कोर्ट ने पहले भी सर्वोच्च न्यायालय की ओर से दिए गए निर्देश पर संज्ञान लिया था लेकिन अभी तक सरकार की ओर से विधायक व सांसदों के खिलाफ विचाराधीन केसों की सूची कोर्ट में उपलब्ध नहीं कराई गई।

जिस पर कोर्ट ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का अनुपालन करते हुए इस मामले का फिर से संज्ञान लिया। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2021 में सभी राज्यों के उच्च न्यायालयों को निर्देश दिए थे कि उनके वहां सांसदों व विधायकों के खिलाफ कितने मुकदमे विचाराधीन हैं, उनकी त्वरित सुनवाई कराएं। राज्य सरकारें आईपीसी की धारा 321 का गलत उपयोग कर सांसदों व विधायकों पर दर्ज मुकदमे वापस ले रही है। राज्य सरकारें बिना अनुमति सांसद विधायकों पर दर्ज केस वापस नहीं ले सकती। सुप्रीम कोर्ट ने केसों के शीघ्र निस्तारण को स्पेशल कोर्ट का गठन करने को कहा है।

उच्च न्यायालय ने दो महीने के भीतर रिसर्च डिग्री कमेटी (आरडीसी) की बैठक आयोजित करने के कोर्ट के अक्टूबर 2021 के एकल पीठ के आदेश को चुनौती देती उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) के कुलपति की विशेष अपील को खारिज कर दिया। साथ ही कुलपति को दो माह के भीतर आरडीसी करवाने के निर्देश दिए हैं।

सरकार अपनी कमियों को छुपाने के लिए कर रही समिट आयोजित : करन महारा

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। देहरादून में होने वाली ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट पर विपक्ष ने एक बार फिर सवाल खड़े किए हैं। दअरसल कांग्रेस मुख्यालय देहरादून में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने प्रेसवार्ता कर ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट पर सवाल खड़े किए हैं। करन माहरा ने कहा कि सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए ये समिट आयोजित कर रही है। जबकि पूर्ववर्ती कांग्रेस की तिवारी सरकार ने बिना समिट के ही राज्य में बडे भारी उद्योग स्थापित कराए। हांलाकि अब अधिकांश उद्योग सरकार की नाकामियों के चलते बंद हो गए है। करन माहरा ने कहा कि राज्य में कोई निवेशक यहां निवेश क्यों करेगा जब राज्य की सड़कें खराब है, अन्य राज्यों से यहां बिजली महंगी है, कानून व्यवस्था खराब है। इसके साथ ही करन माहरा ने कहा कि सरकार एक तरफ ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट का आयोजन कर निवेशकों को राज्य में ला रही है तो दूसरी ओर यहां के छोटे एंव लघु व्यापारियों की कमर तोड़ रही है। उनका कहना है कि पिछले सप्ताह भर से शहर में रेहडी ठेली नहीं लगने दी जा रही है जिससे छोटे व्यापारी परेशान है।

मुस्लिम मंच ने पाक अधिकृत काश्मीर को भारत में मिलाने की मांग को लेकर निकाली रैली

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

सितारगंज। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के तत्वाधान में बुधवार को सितारगंज के मुख्य मार्गों पर तिरंगा यात्रा निकली गई।यात्रा सितारगंज बाजार से होते हुए नकुलिया चौराहे में संपन्न हुई यात्रा के दौरान नारे लिखी तक्तियां हाथों में लिए मुस्लिम मंच के कार्यकताओं ने पाकिस्तान कश्मीर को आजाद करो कश्मीर हमारा है देश के मुसलमानों का नारा है पूरा का पूरा कश्मीर हमारा है भारत ने पुकारा है पीओ के हमारा है जैसे नारे लगाए गए। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने पाकिस्तान के कब्जे वाले पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को भारत का हिस्सा बनाने की अपनी मांग के समर्थन में बुधवार को सितारगंज में तिरंगा यात्रा का आयोजन राष्ट्रीय मुस्लिम मंच .के जिला सह .संयोजक सैयद अमजद अली के नेतृत्व में सितारगंज के मुख्य चौक चौराहों से निकली इस दौरान मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संगठन मंत्री तुषार कांत ने कहा कि आजादी के 75 साल बाद भी, ₹राष्ट्रवादी भारत₹ की लंबे समय से लंबित इच्छा अभी तक पूरी नहीं हुई है। मार्च में संगठन के ज्यादातर मुस्लिम कार्यकताओं ने हिस्सा लिया और मांग की कि सरकार को पीओके में रहने वाले लोगों को न्याय और आजादी दिलाने के लिए अपने प्रयास तेज करने चाहिए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

डॉक्टर 365 बॉलीवुड महा आरोग्य शिविर के तीसरे सीजन की घोषणा

डॉ धर्मेंद्र कुमार, धीरज कुमार, गणेश आचार्य, दीपक तिजोरी, सोमा घोष की उपस्थिति

मुंबईहलचल / संवाददाता

मुंबई। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स होल्डर आरके एचआईवी एड्स रिसर्च एंड केयर सेंटर के अध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र कुमार और क्रिएटिव आई लिमिटेड के निमार्ता निर्देशक धीरज कुमार मुंबई में फिल्म इंडस्ट्री और मीडिया के लिए 28 जनवरी 2024 को डॉक्टर 365 बॉलीवुड महा आरोग्य शिविर का आयोजन करने जा रहे हैं, इस बार इस कैम्प के आयोजन में गणेश आचार्य फाउंडेशन के गणेश आचार्य का भी सहयोग है। इस संदर्भ में मुंबई में एक प्रेस कांफ्रेंस के द्वारा इसकी घोषणा की गई। इस अवसर पर अतिथि के रूप में निर्देशक एक्टर दीपक तिजोरी, बीएन तिवारी, सोमा घोष, हरीश चोकसी, मार्शल आर्ट गुरु चीता याजनेश शेट्टी, अभिनेत्री निहारिका रायजादा, संगीता तिवारी, अविनाश राय सहित कई हस्तियां मौजूद रहीं। डॉक्टर 365 के डॉ धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि इस बार इस बॉलीवुड महा आरोग्य शिविर का तीसरा साल है जो 28 जनवरी 2024 को भव्य रूप से होने जा रहा है। धीरज कुमार जी हमारे साथ पहले से जुड़े थे और अब गणेश आचार्य का सहयोग भी हमें प्राप्त हो गया है। इस बार 7 लाख तक के फ्री हेल्थ कार्ड जरूरतमंदों को बनाकर दिए जाएंगे। साथ ही काफी संख्या में हर रोग के डॉक्टर यहां मौजूद होंगे। इस शिविर में मुफ्त स्वास्थ्य जांच, मुफ्त दवाएं, फ्री आंखों की जांच, चश्मे और व्हीलचेयर का वितरण किया जाएगा। महाराष्ट्र के माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री तानाजी राव सावंत का भी हमें भरपूर सहयोग प्राप्त है। इस प्रेस कांफ्रेंस से फोन द्वारा हेल्थ मिनिस्टर तानाजी राव सावंत भी जुड़े और उन्होंने बताया कि उनकी ओर से बॉलीवुड महा आरोग्य शिविर के लिए पूरा सहयोग मिलेगा। जिस चीज की भी जरूरत होगी वह उपलब्ध करवाएंगे। प्रोड्यूसर डायरेक्टर और एक्टर धीरज कुमार ने कहा कि सिनेमा के इतिहास में फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े तमाम टेक्नीशियन, मीडिया, उनकी फैमिली के लिए इस तरह का इतना बड़ा फ्री मेडिकल कैम्प का आयोजन तीसरी बार होने जा रहा है। डॉक्टर 365 के डॉ धर्मेंद्र कुमार की इस पहल ने अब एक जागरूकता अभियान का रूप ले लिया है। गणेश आचार्य ने कहा कि लाइट्स मैन, स्पॉटबॉय और सभी टेक्नीशियन असली कलाकार होते हैं। मैं अपील करूंगा कि टेक्नीशियन लोग इस शिविर का फायदा अवश्य उठाएं। सोमा घोष ने कहा कि हेल्थ से बढ़कर कुछ भी नही है। डॉ धर्मेंद्र और धीरज जी का बेहद धन्यवाद। अगर मैं सिंगर नहीं बनती तो डॉक्टर बनने का बचपन से शौक था। रोट्री क्लब से जुड़े हरीश चोकसी ने कहा कि रोट्री के मुम्बई में सैकड़ों क्लब हैं। मैं पिछले 8 साल से डॉ धर्मेंद्र कुमार से जुड़ा हूँ। मेरी ओर से भी इस महा आरोग्य शिविर के लिए पूरा सपोर्ट रहेगा। रोटरी क्लब के प्रेसिडेंट महेंद्र भाई ने डॉ धर्मेंद्र कुमार को धन्यवाद दिया। बता दें कि डॉक्टर 365 हेलनेस सर्विसेज प्रा. लि. भारत में एक उभरती और सबसे तेजी से बढ़ती होम हेल्थ केयर सर्विस है और घर पर आईसीयू स्थापित करके घर पर ही गंभीर देखभाल सेवाओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है। डॉ धर्मेंद्र कुमार कहते हैं कि हम सर्वोत्तम और उच्चतम गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करते हैं, और गंभीर देखभाल के साथ घर पर आईसीयू स्थापित करने में अग्रणी हैं। घर पर ही डॉक्टर 24 घंटे निगरानी करते हैं। आईसीयू की एक समर्पित मजबूत टीम यहां उपलब्ध होती है जिनमें प्रशिक्षित नर्सें, मेडिकल अटेंडेंट, क्रिटिकल केयर डॉक्टर, इलाज के संसाधन, घर पर फिजियोथेरेपी और एम्बुलेंस सेवाएं शामिल हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जाह्नवी कपूर ने खोली पोल

बॉलीवुड इंडस्ट्री पर शुरू से ही एक बड़ा इलजाम है। ये इंडस्ट्री मेल स्टार्स को फीमेल एक्टर्स के मुकाबले ज्यादा फीस, ज्यादा नाम और ज्यादा इज्जत देती है ऐसा अब तक कई लोगो ने आरोप लगाया है। सालो से ये मुद्दा उठता आ रहा है कि बॉलीवुड इंडस्ट्री मे भेदभाव काफी ज्यादा है। हाल ही मे इसे लेकर जाह्नवी कपूर ने एक बड़ा बयान दिया है। अब एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री की काली सच्चाई बताई है और बी– टाउन की पोल खोल दी है। दरअसल, इन दिनों एक्ट्रेस अपनी अपकमिंग फिल्म 'मिली' के प्रमोशन में जुटी हुई है। इसी दौरान जाह्नवी कपूर ने फीमेल लीड फिल्म के प्रति लोगों को रवाइये और नजरिए को लेकर बड़ी बात कही है। जाह्नवी के मुताबिक जिस तरीके से वीमेन सेंट्रिक फिल्मों को ट्रीट किया जाता है, वो काफी डिसअपॉइंटिंग है। आपको बता दे, हाल ही मे जाह्नवी कपूर की अपमकिंग फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है। जिसके बाद हर तरफ जाह्नवी कपूर की एक्टिंग की तारीफ की जा रही है। लेकिन इस दौरान एक्ट्रेस ने किसी और बात को लेकर परेशानी जताई है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो, जाह्नवी कपूर ने एक इंटरव्यू मे ये बताया है कि अक्सर उन्हें वीमेन सेंट्रिक फिल्मों को लेकर कई तरह के सवाल किए जाते हैं। जाह्नवी कपूर ने कहा, मैंने अपने करियर में अब तक ज्यादा फिल्में फीमेल लीड के तौर पर की हैं। जिसमें मैं ही हीरो और खुद मैं ही हीरोइन हूं। ऐसे में जब भी मैं अपनी फिल्मों का जिक्र किसी से करती हूं, तो हमेशा मुझसे ये सवाल पूछा जाता है कि हीरो कौन है? ये सवाल मुझे काफी परेशान और हैरान करने वाला लगता है। हम फिल्मों के जरिए लोगों को कहानियों और किरदारो से रूबरू कराते हैं। मुझे उम्मीद है आने वाले वक्त में ये रवैया बदल जाएगा। फिल्म की अच्छी कहानी लोगों और दर्शकों को अट्रैक्ट करती है, फिर नायक के रूप में उसमें हीरो या हीरोइन हो।

अब एक्ट्रेस ने खुद किया खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर हर मुद्दे पर बड़ी बेबाकी से अपनी राय रखती हैं। अदाकारा अपनी फिल्मों और एक्टिंग से ज्यादा अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में रहती हैं। स्वरा भास्कर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है और आए दिन सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करती रहती हैं। एक बार फिर स्वरा अपनी एक पोस्ट की वजह से सुर्खियों में आ गई है। इस बार एक्ट्रेस ने अपनी पोस्ट से फिल्म प्रोड्यूसर्स पर तंज कसा है। स्वरा भास्कर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो चुटकियां बजाकर डांस करती नजर आ रही हैं। यलो और पिंक कलर की साड़ी में उनका लुक काफी शानदार लग रहा है। साड़ी के साथ उन्होंने झुमके पहने हैं। मगर, वीडियो के साथ लिखा मैसेज, सभी का ध्यान खींच रहा है। स्वरा ने अपनी इस वीडियो के जरिए उन लोगों को करारा जवाब दिया है जो उन्हें विवादस्पद कहकर ट्रोल करते हैं। अपनी इस लेटेस्ट वीडियो में स्वरा ने लिखा, प्रोड्सूर्स कहते हैं, वह बहुत कॉन्ट्रोवर्सियल है। इसके बाद वीडियो में म्यूजिक की बीट थोड़ी बदलती है और फिर नीचे लिखा आता है, मैं कहती हूं, मेरी फिल्म के लिए और ज्यादा पब्लिसिटी। वीडियो में स्वरा मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं। इसी के साथ स्वरा ने मजेदार कैप्शन लिखा है। उन्होंने लिखा , विश्व के ढीट एक हों। उन्होंने हैशटैग के साथ लिखा है, 'ढीट', 'थेथर।' अदाकारा का ये वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है जिस पर लोग जमकर रिएक्शन भी दे रहे हैं। वहीं एक्ट्रेस के फैंस उनके इस वीडियो पर उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं और कई ट्रोलर्स उनकी पोस्ट पर नेगेटिव कॉमेंट भी कर रहे हैं।

सूरज बड़जात्या ने सलमान संग फिल्म का किया ऐलान

बॉलीवुड के भाईजान यानि सलमान खान सबके दिलों की जान है। सलमान के चाहने वालों की कमी है और अक्सर उनके फैंस उन पर अपना प्यार लुटाते रहते है। सलमान खान फिलहाल फिल्म किसी का भाई किसी की जान और टाइगर 3 को लेकर लाइमलाइट में बने हुए है। हाल ही में सलमान ने खुद इन दोनों फिल्मों की रिलीज डेट में हुए बदलाव की जानकारी लोगों को दी थी। ये फिल्में अभी रिलीज भी नहीं हुई है कि अब सलमान खान की एक और फिल्म की चर्चा होने लगी है। खास बात ये है कि सलमान खान की जिस फिल्म की चर्चा हो रही है, उसके लिए उन्होंने अपने खास दोस्त और फिल्ममेकर सूरज बड़जात्या से हाथ मिलाया है। सूरज बड़जात्या ने खुद इस बात की जानकारी दी है कि वो सलमान खान के साथ एक फिल्म बनाने जा रहे है। उनके इस ऐलान के बाद से अब सलमान खान के फैंस की खुशी सातवें आसमान पर है। इस फिल्म के जरिए सूरज बड़जात्या और सलमान खान की जोड़ी सालों बाद साथ आएंगी। सूरज बड़जात्या और सलमान खान ने साथ में कुछ ऐसी सुपरहिट फिल्में दी है, जो आज भी लोगों के जहन में है।